डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 335 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 23 सितम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

मप्र में रेलवे ट्रैक पर डेटोनेटर फोड़कर आर्मी स्पेशल ट्रेन रोकने की जांच शुरू

बुरहानपुर/खंडवा, 22 सितम्बर। भुसावल रेल खंड के सागफाटा और डोंगरगांव स्टेशन के बीच डेटोनेटर (ट्रेन को इमरजेंसी में रोकने के लिए उपयोग होने वाला पटाखा) का उपयोग कर आर्मी स्पेशल ट्रेन रोकने की जांच शुरू हो गई है। इस घटना की जांच रेलवे इंटेलीजेंस, एटीएस, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी, आरपीएफ और नेपानगर थाना पुलिस कर रही है। शनिवार को यह जांच दल सागफाटा स्टेशन के पास उस स्थान की जांच पडताल करने पहुंचा था, जहां डेटोनेटर फोड कर ट्रेन को रोका गया था। जांच एजेंसियां और रेलवे के अधिकारी इससे जुडी कोई भी जानकारी साझा नहीं कर रहे हैं।

यह है डेटोनेटर का उपयोग– सामान्यत: ट्रेन रोकने वाले पटाखे कहे जाने वाले डेटोनेटर ट्रैक मैन, चाबी मैन व रेलवे फाटक में पदस्थ कर्मचारियों को ..... **शेष पेज 4 पर**

कहीं औपचारिकता तो कहीं निर्देश ही रद्दी की टोकरी में...

फरमान पर हावी मंदसौर के अधिकारी

अब बेसमेंट में अस्पताल भी संचालित होने लगे हैं।

न कलेक्टर की सुन रहे, न भोपाल वालों के आदेश मानते

मंदसौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में आते ही अधिकारियों को मानो शिवना के पानी से जंग सा लग जाता है। यही कारण है कि न कलेक्टर की सुनते और न ही भोपाल से जारी हुए आदेश को गंभीरता से लेते है। कहीं औपचारिकता की नौटंकी तो कहीं निर्देश ही रद्दी की टोकरी में डाल दिए जाते हैं। ऐसे एक दो नहीं कई मामले हैं। हादसों के बाद शासन आदेश जारी करता और कलेक्टर कारवाई का फरमान सुनाते है। बस कहानी यहीं तक खत्म हो जाती...!

मामला बेसमेंट का...

नई दिल्ली में कोचिंग सेन्टर की घटना के बाद कार्रवाई के निर्देश प्रदेशभर में जारी हुए। नीमच प्रशासन ने बेसमेंट सील किए तो रतलाम में भी कारवाई हुई। मंदसौर जिले में कलेक्टर ने दबाव अधिक बनाया तो सर्वे कर 71 बेसमेंट ढूंढे, जिनमें सिर्फ 12 के पास अनुमति मिली। यह अनुमति भी केवल पार्किंग के लिए मिलने की बात कही जा रही है। जबकि, उपयोग कुछ ओर ही हो रहा है। कोचिंग से लेकर लॉज सहित व्यवसायीक गतिविधियां अवैध बेसमेंट में सामने आई। लेकिन, कार्रवाई के नाम पर सिर्फ नोटिस ही दिए गए। अब तक एक भी बेसमेंट शहर में बंद नहीं कराया गया। जिले के अन्य निकायों में भी बेसमेंट है पर वहां तो सर्वे तक नहीं हुआ।

मामला सड़क पर घूमते निराश्रित नहीं आश्रित गोवंश का...

सड़क पर घुमने वाले आश्रित गोवंशों को पकड़ने का सरकार ने आदेश दिया। कलेक्टर ने भी निकाय को इस पर कार्रवाई के लिए कहा। लेकिन, आज भी सड़क पर गोवंश घुम रहे है। निकाय अब तक न तो पशुपालको पर सख्ती कर पाई है और न हीं गोवंशों को पकड़ पाई है। समूचे जिले में गोवंश की समस्या विकराल हो रही है। बावजूद प्रशासन व निकायों के पास इसके स्थायी समाधान के लिए कोई प्लानिंग नहीं है। कुछ गोवंशों को पकड़कर रस्म अदायगी की जा रही है। यहां यह भी बता दे कि ज्यादातर गौवंश निराश्रित नहीं है। बल्कि, उन पर कई परिवार आश्रित है। गौवंश में विशेषकर गाय ऐसा पशु है, जो दिनरात आवारा पशु बनकर सड़क पर विचरण करती है और सुबह- शाम अपने मालिक के यहां जाकर दूध देकर आती है। इसलिए इन्हें निराश्रित कहना, इनका अपमान होगा। यह तो वे पशु है, जिन पर कई परिवार आश्रित हैं।

मामला दफ्तरों में समय का...

सरकारी विभागों में सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए समय की पाबंदी करते हुए शासन ने सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक दफ्तर में रहने के निर्देश दिए थे। सुबह 10 बजे दफ्तर पहुंचने व शाम 6 तक रहने के लिए निर्देशित किया गया। जिले से लेकर तहसील मुख्यालय के दफ्तर में इसका पालन करना तो दूर कलेक्ट्रेट में भी समय पर कर्मचारी नहीं पहुंच रहे है। अब तक सिर्फ एक बार निरीक्षण किया गया। अधिकांश दफ्तर और विभागों की खाली टेबल-कुर्सियों के नजारें कलेक्ट्रेट में ही हर दिन दिख रहे है।

मामला फायर सेफ्टी ऑडिट का...

गुजरात सहित अन्य जगहों पर हुई घटनाओं के बाद फायर सेफ्टी व इसके ऑडिट के लिए निर्देश मिले। नपा ने इसका भी सर्वे किया तो पूरे शहर में होटल, लॉज, धर्मशाला से लेकर निजी नर्सिंग होम सहित बड़े अस्पताल और बहुमंजिला इमारतों तक में फायर सेफ्टी सिस्टम नहीं था, जहां है वहां ऑडिट नहीं। बावजूद आगजनी जैसी घटनाओं पर गंभीरता किसी ने नहीं दिखाई और कार्रवाई के नाम पर सिर्फ नोटिस ही दिए गए। बस नोटिस तक कार्रवाई सीमित रह गई।

मामला जर्जर मकानों का...

बारिश की सीजन के पहले तत्कालीन कलेक्टर ने जर्जर मकानों को लेकर निर्देश दिए। हर बार की तरह इस बार भी नोटिस -नोटिस का खेल चला। शहर से लेकर पूरे जिले में अनेक जगह जर्जर मकान है। लेकिन, इन पर कार्रवाई के नाम पर नपा ने एक दो जगह औपचारिकता निभाई। बाकी जगह सिर्फ नोटिस देने का काम किया।

मामला हेलमेट की अनिवार्यता का...

अभी हाल ही में शहर सहित जिलेभर में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाया गया। जागरूकता के लिए रैलियां निकालने से लेकर गतिविधिया हो रही है। कलेक्टर ने सरकारी कर्मचारियों को हेलमेट पहनने के लिए निर्देश दिए। लेकिन, कलेक्ट्रेट में संचालित सरकारी विभागों में आने वाले कर्मचारी बिना हेलमेट के पहुंच रहे है तो फिर जिले की अन्य तहसील व विकासखंड पर संचालित दफ्तरों में हेलमेट की अनिवार्यता कर्मचारियों ने अब तक स्वीकार नहीं है।

भाजपा सदस्यता अभियान ...

नेताओं को टॉरगेट का तनाव..!

मंदसौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। इन दिनो भाजपा का सदस्यता अभियान चल रहा है। यह अभियान हर तीन साल में चलता है। लेकिन, इस बार नंबरो के खेल में तगड़ा दबाव नजर आ रहा है। इसका कारण है जिलेभर में नेताजी का तनाव और टांग खिंचने का खेल। सदस्यता अभियान की मॉनिटरिंग राजधानी से हो रही है। इधर सदस्य बनाने का टॉरगेट पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों की नींद उड़ाए हुए है। मंडल अध्यक्ष जैसे पदों पर आसीन होने के लिए दावेदारों द्वारा बनाए गए सदस्यों की संख्या पर भी निर्भर करेगा। यहीं कारण है कि एक दूसरे को नीचा दिखाने का काम भी जारी है।

सभी को दिया गया लक्ष्य...

सदस्यता अभियान में जनप्रतिनिधियों को उनके पद के हिसाब से पार्टी ने टॉरगेट दिया है। सांसद की बात करें तो हर सांसद को उनके संसदीय क्षेत्र में 30 हजार सदस्य बनाना है। इसी तरह से विधायक के पास विधानसभा क्षेत्र में 10 हजार का टॉरगेट है। वहीं नपाध्यक्ष को 05 हजार सदस्य बनाने का टॉरगेट दिया गया है। इस अभियान में भाजपा पार्षदों को भी एक हजार सदस्य का लक्ष्य दिया गया है।

बता दें कि इस बार सदस्यता अभियान की खासियत यह है कि फर्जी सदस्य तैयार नहीं किए जा सकते। सदस्य बनाने वाले व्यक्ति के मोबाईल पर ओटीपी आएगा। उस ओटीपी का उपयोग करके ही सदस्य बना जा सकता है। अब जिस नेता जी की लिंक से सदस्य बने, वह उन नेताजी के प्रयास से बना सदस्य माना जाएगा। मतलब नेताजी की सदस्य बनाने वाली संख्या में काउंट होगा। यह भी ध्यान रहे कि एक मोबाईल नंबर या एक व्यक्ति सिर्फ एक ही बार सदस्यता ग्रहण कर सकता है।

यदि सिर्फ शहर की बात करें तो जल्द ही नए मंडल अध्यक्षों की घोषणा होने की संभावना है। ऐसे में कई नेताओं की नींद में मंडल अध्यक्ष बनने के सपने आ रहे हैं। शहर में दक्षिण और उत्तर दो मंडलों के अध्यक्ष है। अब क्राइट एरिया के अनुसार सदस्यता अभियान में सदस्यों की संख्या भी मंडल अध्यक्षों के दावेदारी को मजबूत करेगा। ऐसे में सदस्यता अभियान के दौरान ही टांग खिंचने वाला काम हो रहा है। एक दूसरे के वार्ड या मोहल्ले के लोगों को जैसे -तैसे करके सदस्य बनाकर अपनी संख्या बढ़ाकर अन्य मंडल अध्यक्ष के सदस्यों की संख्या प्रभावित किए जाने का काम जारी है।

जनप्रतिनिधि हो रहे हावी...

सांसद, विधायक, नपाध्यक्ष सहित पार्टी के पदाधिकारियों को भी अच्छा खासा लक्ष्य दिया गया है। अब हो यह रहा है कि चुने हुए जनप्रतिनिधि अपने समर्थकों के साथ जिस मोहल्ले से सदस्यता अभियान में निकल रहे हैं। उनमें मोहल्ले या वार्ड के नेताजी या पार्षदों के सदस्यों पर डाका डाल रहे हैं। मतलब पार्षद या मोहल्ले के नेताजी के टच के लोगों को बड़े नेताजी अर्थात बड़े जनप्रतिनिधि अपने आईडी से बना रहे हैं। ऐसे में पार्षद या मोहल्ले के नेताजी कुछ निराश जरुर नजर आ रहे हैं।

दो मिनट, मोबाईल दे तो...!

सदस्यता अभियान में पार्षद या अन्य नेताजी जहां भी अपनी जान पहचान के लोगों को देखते ही पकड़ रहे हैं। उससे दो मिनट के लिए मोबाईल मांगकर उनकी आईडी से लिंक भेजकर उस पर सदस्यता डिटेल डालने की कह रहे हैं। अब स्थिति यह हो गई है कि कई लोगों के मोबाईल में वह सदस्य बन चुके है। कई लोगों को अन्य वार्डो के नेताओं ने ही उन्हें सदस्य बना लिया। मजे की बात तो यह है कि कई लोग भाजपा की विचारधारा के विपरित सोच रखते हैं। कई कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भी समर्थन करते हैं। कई ऐसे परिवार भी है, जिन्हें पार्टी या नेता से कोई लेना देना नहीं, बरसों से बाहुबलि फिल्म के कटप्पा की तरह कांग्रेस को वोट दे रहे हैं। लेकिन, ऐसे कई लोग स्थानीय भाजपा नेताओं के टच में है और इनके मोहल्ले के नेता या पार्षदों से संबंध भी है। इस संबंध को निभाते हुए वह भी मोबाईल से भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। यह बात अलग है कि वोट किसे दे और दिल से समर्थन किसे करे?

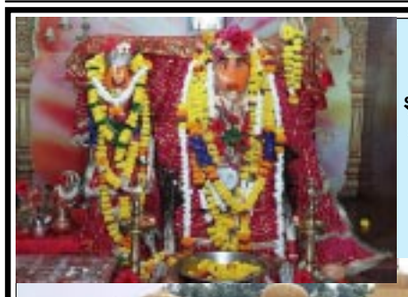

नालछा माता में जारी तैयारी– शारदीय नवरात्रि में नालछा माताजी मंदिर में कई आयोजन होंगे। जिसकी तैयारिया शुरू हो गई है। कहते है कि यह अति प्राचीन मंदिर अयोध्या नरेश राजा दशरथ जी के जमाने का है। मंदिर में माता से मन्नत मांगने वाले कई लोगो की मनोकामना पूर्ण होती है। उल्लेखनीय है कि नालछा माता के मंदिर में माताजी और भैरू जी एक ही पीठ भी विराजित है। इस तरह का यह दुर्लभ मंदिर है।

विद्यार्थियों की शैक्षणिक आईडी बनाने पर काम जारी

डीपीआई ने जिला शिक्षाधिकारियों को दिए निर्देश

मंदसौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों में विद्यार्थियों की शैक्षणिक आईडी (एपीएएआर) मतलब ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक एकाउंट रजिस्ट्री बनाने को लेकर काम जारी है। इसको लेकर लोक शिक्षण संचालनालय ने जिला शिक्षाधिकारियों को निर्देश जारी किए है।

जिसमें कहा गया है कि प्रत्येक छात्र केआधार नंबर के आधार पर आईडी तैयार होगी। इसके लिए उनके माता-पिता की सहमति जरुरी है। आईडी में संग्रहित जानकारी को गोपनीय रखे जाने के निर्देश जारी किए गए है। सहमति को लेकर पीटीएम अर्थात शिक्षक पालक संघ की बैठक आयोजित कर अभिभावकों को आईडी से विद्यार्थियों को होने वाले लाभ से अवगत कराने के निर्देश दिए गए है। साथ ही विद्यालय स्तरपर शैक्षणिक आईडी निर्माण की प्रगति हेतु एक आईडी प्रभारी शिक्षक नियुक्त किया जाने के लिए निर्देशित किया गया है।

भारत ने बांग्लादेश को हराकर लगाई रिकॉर्ड की झड़ी, पंत से लेकर अश्विन के नाम हुए कारनामे

इंदौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में 280 रन से जीत हासिल की। मैच में मेहमान टीम को 515 रन का लक्ष्य मिला था, जिसका पीछा करते हुए बांग्लादेश 234 रनों पर सिमट गई। अब दोनों टीमों के बीच सीरीज का आखिरी मुकाबला 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा। पहले टेस्ट मैच के रविचंद्रन अश्विन और ऋषभ पंत ने कई कीर्तिमान अपने नाम किए। आइए आपको बताते हैं कि चेपॉक टेस्ट में क्या-क्या रिकॉर्ड बने हैं।

अश्विन ने की शेन वॉर्न की बराबरी– आर अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में 37वीं बार पारी में 5 विकेट लिए। यह किसी बॉलर का संयुक्त रूप से दूसरा बेस्ट प्रदर्शन है। उन्होंने शेन वॉर्न की बराबरी कर ली है। अब उनसे आगे श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन है, जिन्होंने 67 बार 5 विकेट चटकाए हैं।

सबसे अधिक उम्र में एक पारी में 5 विकेट– रविचंद्रन अश्विन जब चेन्नई टेस्ट में उतरे थे, तो उनकी आयु 38 साल दो दिन थी। वह टीम इंडिया के लिए टेस्ट में सबसे अधिक उम्र में एक पारी में 5 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। यह रिकॉर्ड पहले वीनू मांकड के नाम था। उन्होंने 1955 में पेशावर में पाकिस्तान के खिलाफ 37 साल और 306 दिन की आयु में यह कारनामा किया था।

पॉली उमरीगर का रिकॉर्ड तोड़ा– आर अश्विन एक ही ग्राउंड में दूसरी बार शतक और 5 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी बने। इससे पहले उन्होंने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ यह कारनाम किया था। इसी के साथ अश्विन एक टेस्ट मैच में शतक और पांच विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज प्लेयर बने। पहले यह रिकॉर्ड भारतीय खिलाड़ी पॉली उमरीगर के नाम दर्ज था। उन्होंने 36 साल और 7 दिन की उम्र में वेस्टइंडीज के खिलाफ 1962 में 172* रन और पांच विकेट हॉल किया।

पंत ने की माही की बराबरी– ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में छह शतक जड़े हैं। उन्होंने किसी भी भारतीय विकेटकीपर की ओर से टेस्ट में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में महेंद्र सिंह धोनी की बराबरी की।

गरबा नृत्य– नवरात्रि के दौरान युवतियां व महिलाएं गरबा नृत्य कर माता की आराधना करती है। लय एवं ताल के संयोजन के लिए इन दिनो गरबा नृत्य की तैयारी की जा रही है।

मामला नीमच में हुई बैंक लूट की घटना के बाद का...

एटीएम की सुरक्षा भी भगवान भरोसे..!

न गार्ड, न दरवाजे पर लॉक, कैमरे और एसी भी है बंद

मंदसौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले के चीताखेड़ा में बैंक लूट की घटना के बाद मंदसौर पुलिस भी हरकत में आई। जिलेभर के थानाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र की बैंकों में जाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। लेकिन, गली- मोहल्लों या मुख्य बाजारों में लग रहे बैंकों के एटीएम की सुरक्षा पर सवाल खडे हो रहे हैं। शहर के अधिकांश एटीएम की सुरक्षा भगवान भरोसे हैं। जहां न कोई सरक्षा गार्ड है और न ही दरवाजे पर लॉक है। अभी तक एटीएम तोड़कर चोरी के कई प्रयास हो चुके हैं। इसके बाद भी एटीएम की सुरक्षा को लेकर जिम्मेदारों ने गंभीरता नही दिखाई। कई बार एटीएम में बदमाशों ने वारदात को अंजाम भी दिया है।

एटीएम की सुरक्षा की बात करें तो कई घटनाओं के बाद भी बैंक प्रबंधन कोई सबक नहीं ले रहा है। अधिकांश एटीएम पर सुरक्षा के इंतजाम नहीं है। कहीं पर भी सिक्यूरिटी गॉर्ड नहीं है। इतना ही नहीं कहीं पर कैमरे भी बंद पडे है तो कहीं पर एटीएम के दरवाजे भी खुले पड़े हुए है। ज्यादातर में एसी तो लंबे समय से बंद ही है। जानकारी के अनुसार जिले में अलग-अलग बैंको के 200 से अधिक स्थानों पर एटीएम लगे हुए है। वही शहर में 20 से ज्यादा एटीएम है। लेकिन, सुरक्षा इंतजाम न के बराबर है। चौराहों व कॉलोनियों में तो ठीक बैंकों की मुख्य शाखाओं में लगे एटीएम पर भी कोई गॉर्ड नहीं है। बावजूद इसके बैंक एटीएम को लेकर जवाबदारी नहीं दिखा रहा है। हमने शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर पड़ताल की तो हर जगह हालात एक जैसे ही मिले। शहर के स्टेशन रोड़ क्षेत्र में सबसे ज्यादा एटीएम लगे हुए है। अलग-अलग शाखाओं के पास-पास कही दो तो कही पर एक एटीएम लगा हुआ है। बालागंज क्षेत्र, गोल चौराहा क्षेत्र से लेकर बाजार व अन्य क्षेत्रो में लगे हुए एटीएम पर कहीं पर भी सुरक्षा गॉर्ड नहीं है।

बता दें कि शहर में 20 से ज्यादा एटीएम बूथ हैं। खाताधारकों की सुविधा के लिये इन सभी एटीएम में लाखों रुपये बैंकों द्वारा भरे जाते है। लेकिन, सुरक्षा में खिलवाड़ किया जा रहा है। अधिकारी यह जरूर कह रहे है कि एटीएम में रात के समय सुरक्षाकर्मी तैनात रहता है, लेकिन हकीकत यह है कि अधिकांश समय सुरक्षाकर्मी नहीं रहते है। दिन में सुरक्षाकर्मी तैनात नहीं है, रात में भी सुरक्षाकर्मी एटीएम पर नहीं होते हैं। इसके कारण एटीएम की सुरक्षा पर हमेशा खतरा मंडराता है। अब तक कई बार एटीएम में तोड़फोड़ व चोरी की कोशिशें हो चुकी है। बावजूद सुरक्षा के साथ समझौता किया जा रहा है।

कब कहां हुआ एटीएम से छेड़छाड़ का प्रयास...

वर्ष 2015 में सीतामऊ रोड स्थित ग्राम डिगांव में बदमाश एटीएम को ही उखाड़कर ले गए थे। इसके बाद एटीएम को लेकर वारदात का सिलसिला थमा नहीं। इसके बाद स्टेट हाईवे के फोरलेन पर स्थित एटीएम को बदमाशों ने तोड़ने का प्रयास किया। कुछ समय पहले दलोदा में बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम को तोड़कर रुपए चोरी का प्रयास बदमाशों ने किया।

26 दिसंबर 2021 में नाहटा चौराहा पर स्थित एसबीआई के एटीएम, स्टेशन रोड़ पर स्थित एयू बैंक के एटीएम एवं नई आबादी गुप्ता कचोरी के समीप स्थित एसबीआई के एटीएम में चोरी का प्रयास

जगह पर एटीएम मशीन में ग्राहकों को जहां से राशि मिलती है, उस शटर को तोड़ा गया। हालांकि, यह बताया गया कि वहां से बदमाश कुछ भी नहीं ले जा सके। लेकिन, एटीएम से छेड़छाड़ तो हुई थी।

विचार-मंथन

जम्मू-कश्मीर चुनाव में गजब का उत्साह

जम्मू-कश्मीर में इस बार जब लोकसभा चुनावों के दौरान मतदान में वहां के लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था, तभी इस बात के संकेत मिल गए थे कि राज्य में राजनीति की तस्वीर तेजी से बदल रही है। अब विधानसभा चुनाव के पहले चरण में चौबीस सीटों के लिए हुए मतदान में बुधवार को जिस तरह वहां 61.13 फीसद वोटिंग का आंकड़ा आया, उससे साफ है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों का भरोसा अब देश के लोकतंत्र में मजबूत हो रहा है और उसे ज्यादा ताकत देने के लिए वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उत्साह से हिस्सा ले रहे हैं। यों राज्य में पिछले कुछ समय से लगातार आतंकवादी गतिविधियों के बीच जिस तरह की अप्रिय घटनाएं सामने आती रहीं, उससे इस बात की आशंका जरूर बनी हुई थी कि क्या इसका असर आम लोगों के चुनावों में हिस्सा लेने पर पड़ेगा और मतदान का फीसद कम रह सकता है! मगर इस डर को धता बताते हुए राज्य के लोगों ने अपना यह रुख स्पष्ट कर दिया कि वे अब वहां लोकतंत्र और राजनीतिक प्रक्रिया को मजबूत करने को लेकर गंभीर हैं। आए दिन होने वाले आतंकी हमलों के जरिए आतंकवादी संगठन यह संदेश देने की कोशिश करते रहते हैं कि राज्य में अस्थिरता और हिंसा के बीच लोगों को चुनाव प्रक्रिया से दूर रहना चाहिए। अतीत में इस तरह की कोशिशों को कुछ कामयाबी मिली भी जब चुनाव में कभी मतदान का फीसद बेहद कम रहा था। मगर मौजूदा समय में राज्य में लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से जो भी राजनीतिक प्रक्रिया चलाई जा रही है, उसमें वहां की जनता की सकारात्मक प्रतिक्रिया उम्मीद जगाती है। दरअसल, राज्य में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद यह आशंका जताई जा रही थी कि वहां की जनता का रुख चुनावों में मतदान के समय शायद सकारात्मक न रहे। सही है कि राज्य में अब भी आबादी के कुछ हिस्सों में इस मसले पर अलग-अलग विचार और असंतोष का भाव रहा है। बल्कि यह चुनावी मुद्दा भी बना और यह माना जा सकता है कि इस सवाल ने भी लोगों को चुनाव में हिस्सा लेने और अपनी राय जाहिर करने के लिए प्रेरक शक्ति का काम किया होगा। यह बेवजह नहीं है कि न केवल मतदान केंद्रों पर लोग उम्मीद से ज्यादा संख्या में उमड़ कर आए, बल्कि शांतिपूर्ण तरीके से वोट डाला। एक समय था जब चुनाव की घोषणा के बाद आतंकवादी संगठनों की ओर से मतदान का बहिष्कार करने के लिए तरह-तरह की धमकियां दी जाती थीं। इस बार भी एक ओर राज्य में चुनाव आयोजित कराने की तैयारी चल रही थी और दूसरी ओर लगातार आतंकवादी संगठनों की ओर से कहीं सीमा पर घुसपैठ का प्रयास किया जा रहा था, कहीं लक्षित हमलों में हत्याएं की जा रही थीं, तो कभी सुरक्षा बलों के शिविरों पर हमले किए जा रहे थे। ऐसा करके आम जनता के बीच आखिर क्या संदेश देने की कोशिश की गई? मगर इस तरह की आतंकी हिंसा का जवाब जम्मू-कश्मीर के लोगों ने शांतिपूर्ण और उत्साहजनक मतदान करके दिया। इस लिहाज से देखें तो पहले लोकसभा, और फिर अब विधानसभा चुनाव के लिए हुए मतदान में लंबी कतारें यह बताने के लिए काफी रहीं कि लोग अब वहां लंबे दौर के अशांत माहौल और आतंकवादी गतिविधियों से छुटकारा चाहते हैं और यह अंतिम तौर पर वहां लोकतंत्र की बहाली के जरिए ही संभव है। चुनाव में मतदान में बढ़-चढ़ कर हिस्सेदारी वहां के लोगों के भीतर भारतीय लोकतंत्र में बढ़ते भरोसे का सूचक है।

किसानों को उनका हक मिलता रहे...

अशोक गुलाटी

2024 में संसदीय चुनाव होने से पहले ही, नरेंद्र मोदी सरकार ने सभी सचिवों को सरकार के अंतिम 100 दिनों में घोषित किए जाने वाले नीतिगत एजेंडे को तैयार करने के लिए नियुक्त किया था। उन्हें पूरा भरोसा था कि 5 साल में पार्टी भारी बहुमत के साथ वापस आ रही है। संसदीय चुनावों के वास्तविक परिणाम पार्टी के लिए निराशाजनक थे, क्योंकि यह 370 के अपने लक्ष्य से बहुत पीछे रह गई। फिर भी, पहले 100 दिनों का उत्साह चेतावनी नहीं देता है। भाजपा अब गठबंधन सरकार चला रही है, इसलिए उसे अपने प्रमुख सहयोगियों, खासकर एन. चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार की मांगों को पूरा करना होगा ताकि सरकार बिना किसी परेशानी के अपना काम जारी रख सके। इसने क्या अलग किया है? जबकि विनिर्माण, खासकर हाई-टैक चिप निर्माण आदि पर समग्र जोर है, अन्य क्षेत्रों में भी कई बदलाव हुए हैं। मैं इस कॉलम में उन सभी को शामिल नहीं कर सकता, न ही मेरे पास उन क्षेत्रों में किए जा रहे कदमों की दक्षता का विश्लेषण और आकलन करने की विशेषज्ञता है। मैं खुद को कृषि और ग्रामीण विकास क्षेत्र तक सीमित रखूंगा जो आम जनता के कल्याण को सबसे अधिक प्रभावित करता है। कृषि के मोर्चे पर मोदी सरकार (मोदी 3.0) की शुरूआत कृषि और किसान कल्याण के लिए नए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ हुई, और उन्हें ग्रामीण विकास का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया। मध्य प्रदेश के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले और मध्य प्रदेश में कृषि को बदलने वाले पर्याप्त अनुभव वाले मंत्री को लाना, एक उच्च प्राथमिकता का संकेत है जिसे मोदी 3.0 के तहत कृषि और ग्रामीण विकास मिल सकता है। पहला बड़ा फैसला जो लिया गया, वह था पी.एम. किसान योजना के तहत 20,000 करोड़ रुपए वितरित करना, जो 2019 में की गई प्रतिबद्धता थी, जिसके तहत अधिकांश योग्य कृषि परिवारों को 6,000 रुपए प्रति वर्ष दिए जाएंगे। इसने स्पष्ट संकेत दिया कि पी.एम.-किसान योजना के तहत प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण मोदी 3.0 के तहत जारी रहेगा। हालांकि मुझे उम्मीद थी कि पिछले 5 वर्षों में मुद्रास्फीति के लिए इसका नाममात्र मूल्य समायोजित किया जाएगा, और 6,000 रुपए की राशि को बढ़ाकर कम से कम 8,000 रुपए प्रति परिवार कर दिया जाएगा, लेकिन यह उम्मीद झूठी साबित हुई। केंद्रीय बजट 2024-25 में भी, हमने जलवायु परिवर्तन के मुद्दों से निपटने के लिए कृषि-आर.एंड डी. आबंटन में बड़ी वृद्धि की उम्मीद की थी। लेकिन बजट आबंटन में भी बहुत अधिक वास्तविक वृद्धि नहीं हुई। यह हमेशा की तरह ही लग रहा था। लेकिन प्रमुख घोषणाएं बाद में हुईं,जो कुछ हद तक आश्चर्यजनक थीं, जब केंद्र सरकार ने कृषि के लिए 7 योजनाओं को मंजूरी दी, जिनमें कृषि के डिजिटलीकरण (भूमि अभिलेख, किसानों के पहचान पत्र, आदि) से लेकर जलवायु परिवर्तन की पृष्ठभूमि में खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए फसल विज्ञान, पोषण और लाभप्रदता के लिए बागवानी, स्थिरता और लाभप्रदता के लिए पशुधन स्वास्थ्य और उत्पादन, जलवायु लचीलेपन और स्वच्छ पर्यावरण के लिए प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, कुशल मानव संसाधनों के लिए कृषि शिक्षा और किसानों के लिए बेहतर पहुंच के लिए कृषि विज्ञान केंद्र शामिल हैं। इन योजनाओं को अगले 2-3 सालों में लागू करने के लिए लगभग 14,000 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं। ये सभी कदम सही दिशा में उठाए गए हैं और अगर इन्हें सही तरीके से और जल्दी से लागू किया जाए तो ये आर्थिक और राजनीतिक रूप से बहुत फायदेमंद साबित हो सकते हैं। कृषि के डिजिटलीकरण के उदाहरण से मैं इसे समझाता हूं। किसानों की पहचान पहला कदम है। मालिक-संचालक और काश्तकार के बीच अंतर करना अगला कदम है। अभी भारत का आधिकारिक आंकड़ा करीब 17 प्रतिशत काश्तकार का है, जो सूक्ष्म सर्वेक्षणों से पता चलने वाले आंकड़े से काफी कम है। यह 25 से 30 प्रतिशत के बीच हो सकता है, अगर इससे ज्यादा नहीं। मौखिक काश्तकार की समस्या यह है कि उन किसानों के पास सात या चार प्रतिशत के संस्थागत ऋण तक बहुत सीमित पहुंच होती है, जो मालिक-संचालकों को मिलता है। 24 से 36 प्रतिशत की ब्याज दर पर उधार लेकर काश्तकार कभी भी कृषि को लाभदायक व्यवसाय नहीं बना सकते। काश्तकार किसानों को पी.एम.-किसान योजना के तहत मिलने वाले लाभ भी नहीं मिलते। वास्तविक जोतने वाले की उचित पहचान की समस्या को जल्द से जल्द हल करने की जरूरत है और उन्हें कम ब्याज दरों पर संस्थागत ऋण तक पहुंच प्रदान करना जरूरी है। लेकिन कृषि के डिजिटलीकरण को सिर्फ किसानों की पहचान करने से कहीं आगे जाना होगा। उदाहरण के लिए भूमि स्वास्थ्य कार्ड उर्वरक खरीद से जुड़े नहीं हैं। चावल उत्पादक को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी.डी.एस.) से मुफ्त चावल देने की क्या जरूरत है? अगर हम विभिन्न डेटा सेटों को त्रिकोणीय बना सकते हैं और उनका उपयोग अपने उर्वरक और खाद्य सब्सिडी को बदलने के लिए कर सकते हैं, तो इससे सार्वजनिक संसाधनों के उपयोग में भारी बचत और उच्च दक्षता हो सकती है। तब कृषि के डिजिटलीकरण से होने वाले रिटर्न की सीमांत दरें इसके लिए किए जा रहे निवेश से 10 गुना से भी ज्यादा हो सकती हैं। यह इस क्षेत्र के लिए एक जबरदस्त बढ़ावा होगा, साथ ही सार्वजनिक व्यय की दक्षता भी। इसी तरह के रिटर्न कृषि की अन्य योजनाओं में निवेश से आ सकते हैं। ग्रामीण विकास के मोर्चे पर, मोदी 3.0 ने सरकारी सहायता से ग्रामीण क्षेत्रों में 20 मिलियन अतिरिक्त घर बनाने की घोषणा की। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक और बढ़ावा मिलेगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में राजमिस्त्री, बढ़ई, इलैक्ट्रीशियन आदि के लिए रोजगार पैदा होंगे, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब लोगों को बहुत जरूरी सम्मान और स्वच्छता मिलेगी। यह आम जनता के लिए एक सराहनीय कल्याणकारी कदम होगा और सरकार को राजनीतिक लाभ भी मिल सकता है। अंत में, पी.एम.-ग्राम सड़क योजना के तहत, मोदी 3.0 ने 75,000 करोड़ रुपए निवेश करने की अपनी मंशा की घोषणा की है।

वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर भ्रांति फैलाना देशहित में नहीं

अजय कुमार

बात वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर अखिलेश के बिगड़े बोलों की कि जाये तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूछ रहे हैं, 'अगर 'वन नेशन, वन नेशन' सिद्धांत के रूप में है तो कृपया स्पष्ट किया जाए कि प्रधान से लेकर प्रधानमंत्री तक के सभी ग्राम, टाउन, नगर निकायों के चुनाव भी साथ ही होंगे। समाजवादी पार्टी का वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध सूत न कपास जुलाहों में लट्ठम लट्ठा जैसा है। ऐसा लगता है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव को वन नेशन वन इलेक्शन में खामियां निकालने के लिये कोई गंभीर मुद्दा नहीं मिल रहा है। वन नेशन, वन इलेक्शन के खिलाफ अखिलेश की बयानबाजी हवा हवाई से अधिक कुछ नहीं है। वह किसी भी तरह से जनता में भ्रम पैदा करना चाहते हैं। इसी लिये वह बेतुके संदेह व्यक्त कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि अखिलेश इस बिल का इस लिये विरोध कर रहे हैं क्योंकि वन नेशन वन इलेक्शन मोदी सरकार की मंशा है। अखिलेश की मंशा सियासी है इसलिये उनकी पार्टी में भी इसको लेकर फूट नजर आ रही है। अखिलेश से इत्तर समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मेहरोत्रा ने वन नेशन वन इलेक्शन का खुलकर समर्थन किया है। यह और बात है कि पार्टी ने रविदास मेहरोत्रा के बयान को उनकी निजी राय बता कर पल्ला झाड़ लिया है। बात वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर अखिलेश के बिगड़े बोलों की कि जाये तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूछ रहे हैं, 'अगर 'वन नेशन, वन नेशन' सिद्धांत के रूप में है तो कृपया स्पष्ट किया जाए कि प्रधान से लेकर प्रधानमंत्री तक के सभी ग्राम, टाउन, नगर निकायों के चुनाव भी साथ ही होंगे। यदि अखिलेश रिपोर्ट पढ़ लेते तो उन्हें मालूम रहता कि पहले चरण में लोकसभा व देश के सभी विधान सभाओं और दूसरे चरण में 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकायों के चुनाव कराने की सिफारिश की गई है। अखिलेश पूछ रहे हैं कि किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने पर क्या जनता की चुनी सरकार को वापस आने के लिए अगले आम चुनावों तक का इंतजार करना पड़ेगा या फिर पूरे देश में फिर से चुनाव होगा?इसको लेकर भी रिपोर्ट में साफ-साफ कहा गया है कि अगर किसी विधान सभा का चुनाव अपरिहार्य कारणों से एक साथ नहीं हो पाता है तो बाद की तिथि में होगा,लेकिन कार्यकाल उसी दिन समाप्त होगा जिस दिन लोकसभा का कार्यकाल समाप्त होगा। यदि किसी राज्य की विधान सभा बीच में भंग हो हाती है,तो नया चुनाव विधानसभा के बाकी के कार्यकाल के लिये ही कराया जायेगा। अखिलेश पूछ रहे हैं वन नेशन वन इलेक्शन योजना चुनावों का निजीकरण करके परिणाम बदलने की तो नहीं है? ऐसी आशंका इसलिए जन्म ले रही है क्योंकि कल को सरकार ये कहेगी कि इतने बड़े स्तर पर चुनाव कराने के लिए उसके पास मानवीय व अन्य जरूरी संसाधन ही नहीं हैं, इसीलिए हम चुनाव कराने का काम भी (अपने लोगों को) ठेके पर दे रहे हैं। यह भी हास्यास्पद है। ऐसा नहीं है कि कभी लोकसभा और विधान सभा के चुनाव साथ हुए ही नहीं हैं। 1951 से 1967 तक चुनाव एक साथ होते थे। उसके बाद में 1999 में लॉ कमिशन ने अपनी रिपोर्ट में ये सिफ़ारिश की थी देश में चुनाव एक साथ होने चाहिए, जिससे देश में विकास कार्य चलते रहें। वन नेशन, वन इलेक्शन कोई आज की बात नहीं है. इसकी कोशिश 1983 से ही शुरू हो गई थी और तब इंदिरा गांधी ने इसे अस्वीकार कर दिया था। ये कहा जा रहा है कि एक साथ चुनाव कराए जाने का अंततः सबसे अधिक फ़ायदा बीजेपी और कांग्रेस जैसी बड़ी राष्ट्रीय पार्टियों को होगा और छोटी पार्टियों के लिए एक साथ कई राज्यों में स्थानीय और लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान चलाना कठिन हो सकता है। बहरहाल, कांग्रेस कह चुकी है कि वो एक राष्ट्र, एक चुनाव के विचार का कड़ा विरोध करती है वहीं बहुजन समाज पार्टी ने हाई लेवल कमेटी के आगे पूरी तरह से वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध नहीं किया था लेकिन उसने इसको लेकर चिंता जताई। पार्टी प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया वेबसाइट एक्स पर पोस्ट कर कहा कि एक देश, एक चुनाव की व्यवस्था के तहत देश में लोकसभा, विधानसभा व स्थानीय निकाय का चुनाव एक साथ कराने वाले प्रस्ताव को केन्द्रीय कैबिनेट की मंजूरी पर हमारी पार्टी का स्टैंड सकारात्मक है।

सेबी को सवालों के कठघरे से बाहर आना ही होगा

बात 1988 की है। भारत में श्वेत-क्रांति के सूत्रधार वर्गीज कुरियन भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि थे। समारोह में कुरियन ने मैनेजमेंट स्कूलों को शैंपू बेचने वालों का ट्रेनिंग स्कूल बताया और छात्रों से कहा कि उन्हें समाज के भले के लिए सच्चाई व सेवा का जीवन जीना चाहिए। उस साल वहां से निकलने वाले विद्यार्थियों में माधवी पुरी बुच भी शामिल थीं, जो इस वक्त सेबी की अध्यक्ष हैं। कहना मुश्किल है कि यह इस भाषण का असर था, मगर माधवी उस बैच की इकलौती ऐसी लड़की थीं, जिन्होंने खुद को प्लेसमेंट से अलग कर लिया। सबसे पहले वह एक एनजीओ के साथ बतौर सामाजिक कार्यकर्ता जुड़ीं। फिर, उन्होंने तरह-तरह के काम किए, पढ़ाया भी और आईसीआईसीआई बैंक से होते हुए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की प्रमुख बनीं। इसके बाद 2017 में माधवी सेबी बोर्ड की सदस्य बनीं और 2022 में उन्हें इसका अध्यक्ष बनाया गया। इस पद पर पहुंचने वाली वह पहली महिला हैं। मगर अब वह विवादों में हैं। जब पिछले साल उन पर आरोप लगने शुरू हुए, तब वे मामूली लग रहे थे, लेकिन अब बात बढ़ती ही जा रही है। बात शुरू हुई थी पिछले साल जनवरी में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से, जिसने भारत के शेयर बाजार को हिलाकर रख दिया था। विपक्षी पार्टियों ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को जांच सौंपने की मांग की और सुप्रीम कोर्ट के सामने कई अलग-अलग अर्जियां लगाई गईं। कोर्ट ने आखिरकार फैसला सुनाया कि इस तरह की किसी एजेंसी की रिपोर्ट पर वह जांच का आदेश नहीं दे सकता। हालांकि, साथ में उसने सेबी से कुछ सवालों के जवाब भी मांगे और यह भी कहा कि सेबी की जांच से अदालत संतुष्ट है। तब ऐसा लगा कि बात खत्म हो गई है, पर यह फाइल यहीं बंद होने वाली नहीं थी। सबसे पहले सेबी पर जवाबी हमला करते हुए हिंडनबर्ग ने यह मान लिया कि उदय कोटक का बैंक शॉर्ट सेलिंग में उसका मददगार था। उसके बाद उसने सेबी और सेबी प्रमुख पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। पहला इल्जाम था कि माधवी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने ऐसी जगह पैसे लगाए थे, जो घूमकर अडानी समूह की कंपनियों में पहुंचे। इस पर बुच दंपति ने बाकायदा सफाई भी जारी की। मगर उसके बाद तो एक के बाद दूसरे आरोप आते ही जा रहे हैं। अब यह इल्जाम लगा है कि सेबी से जुड़ने के बाद भी उनको कई कंपनियों से मेहनताना या फीस मिली है। हालांकि, जिन कंपनियों का नाम इस मामले में आया, वे सब सफाई दे चुकी हैं कि उन्होंने कोई गैर-कानूनी भुगतान नहीं किया है। ध्यान रहे, सेबी में रहते हुए माधवी पुरी बुच ने कई कड़े फैसले भी किए हैं। शायद यही वजह है कि न सिर्फ बाहर से, बल्कि सेबी के भीतर से भी उन पर सवाल उठ रहे हैं। सवाल सेबी प्रमुख की चुप्पी पर भी उठ रहे हैं और इस बात पर भी कि क्या इतने आरोपों के बाद भी वह पद पर बनी रहेंगी? सरकार इस मामले में क्या कर सकती है, यह भी एक पेचीदा सवाल है। बात और पेचीदा हो जाती है, क्योंकि निजी क्षेत्र से विशेषज्ञों को लाकर राजकाज में जोड़ने का भी यह एक उदाहरण है। अगर मामला पटरी से उतर गया, तो फिर इस तरह के लोगों को सरकार के साथ लाना टेढ़ी खीर साबित होगी। फिर, सेबी कोई ऐसी संस्था भी नहीं है, जिसे हल्के में लिया जा सके। शेयर बाजार लगातार कुलांचे भरता दिख रहा है। ऐसे में, जरूरी है कि बाजार पर, उसके नियम-कायदों पर और उसके निगहबानों, यानी रेगुलेटरों पर जनता का भरोसा बना रहे। वर्गीज कुरियन ने अपने उस संबोधन में जो तीन चीजें कही थीं, उनमें सत्यनिष्ठा या ईमानदारी भी एक थी। इस वक्त शायद वही सबसे ज्यादा सवालों के घेरे में है।

आज का राशिफल

मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5365

6			4	2				
8		4	9				7	3
3						4	5	
			8	7			9	
	8						2	
	3			6	1			
	2	5						7
9	6				5	8		2
				3	9			4

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5364

3	5	8	9	1	6	2	4	7
4	6	2	7	5	3	1	9	8
1	9	7	4	8	2	5	3	6
8	4	9	1	6	7	3	5	2
7	1	5	2	3	4	8	6	9
2	3	6	8	9	5	4	7	1
9	2	3	5	7	1	6	8	4
5	8	1	6	4	9	7	2	3
6	7	4	3	2	8	9	1	5

वर्ग पहेली 5365

संकेतः बाएं से दाएं

1. इस देश में स्थित लांगे की विश्व की सबसे बड़ी खान है (2)
3. पक्षी विहार के लिए प्रसिद्ध यह स्थान राजस्थान में स्थित है (5)
7. वृक्ष का वह भाग जिसमें डालियां नहीं होती (2)
8. अलक, जुल्फ (2)
9. वहन का पद, कारण (2)
10. चंद्रमा का अपभ्रंश (2)
12. अद्भुत, अनोखा, विचित्र (3)
14. दुश्मनी, वैर, शत्रुता (4)
17. राष्ट्र, देश, मुल्क (3)
18. ग्रेटर एंटीलीज पर स्थित एक द्वीप राष्ट्र है जिसकी राजधानी किंग्सटन है (3)
20. उतना भोजन जितना एक बार मुंह में डाला जाए, निवाला (2)
21. कहलवाना, कहने का काम दूसरे से कराना (4)
22. अभिप्राय, मतलब (4)
25. प्रस्थान होने की क्रिया, प्रयाण, गमन (4)
26. एक पेय पदार्थ जो दैत्य और दानव दोनों को प्रिय था, चंद्रमा का एक नाम (2)

ऊपर से नीचे

1. धराशायी, उतान, अधोमुख (2)
2. किशोर कुमार की अभिनेत्री पत्नी (8)
3. कल्याणकारी, सज्जन, छलहीन (2)
4. आमोद यात्रा करना, तल्लीन होना (3)
5. बुलावा, नवीन-चंद्रमोहन सोहराब मोदी की हिट फिल्म (5)
6. धूल, गर्द, पराग के कण (2)
11. न्योता, निमंत्रण (3)
13. किसी के चित्त या मन का कष्ट पहुंचा हो (4)
15. यह गोविंदा अभिनीत पहली फिल्म थी (5)
16. ख्याति, नगाड़ा, धौंसा (2)
19. काले रंग की प्रसिद्ध चिड़िया (2)
20. जाति, वर्ण, नस्ल, वंश, समाज (2)
23. एक में चौथाई और जोड़कर (2)
24. इटली का यह शहर सात पहाड़ियों का नगर कहलाता है, देह के बाल, रोआं (2)

वर्ग पहेली 5364 का हल

मप्र राज्य कर्मचारी संघ मंदसौर जिला इकाई कल देगी 25 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन

मंदसौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जिला शाखा मंदसौर द्वारा 24 सितम्बर, मंगलवार को दोप. 4 बजे अधिकारी/कर्मचारियों की लंबित मांगों के निराकरण हेतु प्रांतीय कार्यकारिणी के आव्हान पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम प्रदेश के कर्मचारियों/अधिकारियों की 25 सूत्रीय मांगों के निराकरण हेतु एक ज्ञापन जिला कलेक्टर मंदसौर के माध्यम से सुशासन भवन मंदसौर पर दिया जायेगा।

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ मंदसौर के जिलाध्यक्ष प्रदीप कुमार झा, उपाध्यक्ष ज्योति कुशवाह, डॉ. राजू आवस्या, रेखा गर्ग, चन्द्रशेखर गौड सचिव शंभुसिंह सोगनरा, कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार भाना, सहसचिव धरमसिंह धाकड, सह कोषाध्यख गिरिशचन्द्र त्रिवेदी, संगठन मंत्री रविन्द्र कुमार राठौर, सीतामऊअध्यक्ष डॉ. सीमांत शर्मा, रेखा शर्मा, ज्योति कुशवाह, महेन्द्र जोशी, कुलदीप मकवाना, यशवंत पाटीदार, अजय पारगी, शंकरलाल नीमामा, रमेश सांसरी, लालचंद चौहान, रामकिशन नायक आदि ने समस्त कर्मचारी/अधिकारियों से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर ज्ञापन को सफल बनावें।

जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

मंदसौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। दुशपुर विद्यालय में आज जिला खेल अधिकारी श्री बंशीलाल बारिवाल एवं श्री विजेंद्र देवडा तथा उत्कृष्टविद्यालय के खेल प्रभारी श्री महेंद्र शुक्ला के आतिथ्य में जिला स्तरीय लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। सर्वप्रथमदशपुर विद्यालय के प्राचार्य प्रिंस वी थॉमस एवं सुपरवाइजर श्री हाकिम प्रसाद शर्मा द्वारा उपस्थित अतिथियों का पुष्पहारों से स्वागत किया गया। इसके पश्चात प्रतियोगिता शुरू हुई।

उक्त जानकारी प्रदान करते हुए विद्यालय के खेल शिक्षक श्री देवेंद्र बैरागी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में जिले की पाँच तहसील मल्हारगढ, गरोठ, सीतामऊ, मंदसौर और भानपुरा की टीमो ने भाग लिया। पहला मुकाबला मल्हारगढ तहसील और सीतामऊतहसील की टीम के बीच हुआ, जिसमे मल्हारगढ की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन कर जीत हासिल की। दूसरा मुकाबला मंदसौर तहसील एवं गरोठ के बीच खेला गया जिसमें गरोठ के खिलाडियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर मैच में जीत हासिल की। इस अवसर पर तहसील भानपुरा से श्री दारा सिंह सोलंकी, श्री सूरज ग्वाला, गरोठ से श्री नारायण सिंह, सीतामऊसे श्री जेनुअल आबुद्दीन, श्री नवीन खोखर आदि उपस्थित थे।

'आयुष्मान आपके द्वार' थीम पर आयुष्मान पखवाड़ा कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री द्वारा 23 सितंबर 2018 को आयुष्मान भारत ' निरामयम् ' योजना शुरू की गई। 6 वर्ष के संचालन के उपलक्ष्य पर 20 से 30 सितंबर 2024 तक ' आयुष्मान आपके द्वारा ' थीम पर आयुष्मान पखवाडा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसके तहत जिला चिकित्सालय मंदसौर से आयुष्मान भारत जागरूकता रैली को मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली जिला चिकित्सालय से गांधी चौराहा , बस स्टैंड तथा शहर के प्रमुख मार्गो से निकाली गई । नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गुर्जर द्वारा आयुष्मान शपथ दिलाई गई। शपथ कि हम सब मिलकर बेहतर स्वास्थ्य का संदेश फैलाएंगे, जिससे भारत आयुष्मान बनेगा , हम भी स्वस्थ रहेंगे और दूसरों को स्वस्थ रहने के लिए शिक्षित करेंगे।

आयुष्मान भारत जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जी एस चौहान , सिविल सर्जन डॉ डीके शर्मा ,जिला मीडिया अधिकारी डॉ एम एल कश्यप उपस्थित रहे । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जी एस चौहान द्वारा बताया गया की 30 सितंबर 2024 तक जिले में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे । जिसमें नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण ,जांच ,आभा आईडी निर्माण ,आयुष्मान कार्ड निर्माण । आशा कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर दस्तक दी जाएगी। आयुष्मान भारत जागरूकता रैली में श्रीकमलेश दंडोतिया , जिला समन्वयक श्री पृथ्वीराज चौहान एवं श्री यशवंत डांगी , जिले के आयुष्मान मित्र ,आशा कार्यकर्ता , शासकीय नर्सिग कॉलेज के स्टूडेंट व स्टाफ आदि ने रैली में भाग लिया।

स्वच्छता ही सेवा की ली शपथ, एक पेड़ मां के नाम लगाया

मंदसौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की सीएमसीएलडीपी कक्षा के दौरान जिला समन्वयक तृप्ती बैरागी के नेतृत्व मे सीएमसीएलडीपी की इंटरशिप आयोजित की गयी। जिसके अंतर्गत सीएमसीएलडीपी कक्षा के दौरान प्रात: सर्वपथम उत्कृष्ट विद्यालय परिसर मे स्वच्छता का अभियान चलाकर स्वच्छता की शपथ दिलाई गयी। परामर्शदाता रुपदेव सिंह सिसोदिया ने दिनभर की गतिविधियों के संचालन को लेकर किये गए कार्यक्रमो मे स्वछता हीं सेवा, एक पेड माँ के नाम, वर्धजनों की सेवा हीं संकल्प के बारे मे बताया। तातपश्चात् वर्धहश्रम जाकर एक पेड माँ के नाम अभियान एवं वर्धजन के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे छात्र छात्राओं ने वर्धजनों के साथ अपने विचार व्यक्त किये। विचार व्यक्त करने के लिए एम एस डब्लूयु व बी एस डब्लूयु छात्र छात्राओं मे से संतोष गुप्ता, पंकज पंवार, सूयश गर्ग, रविन्द्र बाथरा व मिना चौहान ने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के परामर्शदाता रघुवीर सिंह राठौड, सृष्टिशर्मा, अनिल सुमन, संदीप शर्मा, दशरथ नायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता रूप देव सिंह सिसोदिया एवं आभार एम एस डब्लूयु छात्र बंशीलाल राठौर ने माना।

संस्कारयुक्त शिक्षा ही सशक्त समाज का आधार-चंदवानी

प्रबंध विभाग में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का हुआ स्वागत

मंदसौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग आप क्षेत्र, समाज एवं दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं। पीएम एक्सीलेंस राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय मंदसौर में प्रबंध विभाग में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत श्री कुशाभाऊऑडिटोरियम में किया गया।

स्थानीय जनभागीदारी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री नरेश जी चंदवानी ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराते हुए कहा आपके लिए बहुत अच्छी सुविधाएं प्रबंध विभाग में उपलब्ध है, आप उनका सही उपयोग कर अपने भविष्य में आगे बढ़े। प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने विद्यार्थियों को कहा कि आप जितने अनुशासित एवं एक्टिव रहेंगे उतना अच्छा सीखेंगे प्राचार्य महोदय ने कहा मैं आप सभी विद्यार्थियों को एक अच्छी पोजीशन पर देखना चाहता हूं जहां पर बडे अधिकारी एवं मैनेजर बने। प्रबंध विभागाध्यक्ष एवं एनसीसी प्रभारी प्रोफेसर योगेश पटेल ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय के एनसीसी, एनएसएस एवं स्पोर्ट्स की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए प्रेरित किया। प्रबंध विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. रजत जैन ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को विभाग के वातावरण से पीपीटी प्रेजेंटेशन द्वारा अवगत कराते हुए कहा विभाग में संस्कारयुक्त शिक्षाएं विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है जहां पर उनके अनुशासन, समानता, कडी मेहनत, संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास, वक्तत्व कला, करियर गाइडेंस, सच्चे मूल्यों एवं अच्छे विचार पर जोर दिया जाता है जिससे विद्यार्थी एक बेहतर समाज को आकार देने में सक्षम हो। प्रोफेसर शालू नलवाया ने कहा शैक्षिक प्रणाली हमें तार्किक सोच प्राप्त करने, विकसित करने तथा स्वतंत्र निर्णय लेने का तरीका सिखाती है जिससे विद्यार्थियों को भविष्य में आने वाली कई दुविधाओं में सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम की शुरुआत 385 विद्यार्थियों के स्वागत एवं सरस्वती जी को माल्यार्पण करके की गई। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रोफेसर साक्षी विजयवर्गीय ने माना।

अभा मालवीय बलाई समाज की बैठक संपन्न

मंदसौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय मालवीय बलाई समाज के एक महत्वपूर्ण बैठक मंदसौर गांधीनगर में जिलाध्यक्ष श्री रामचंद्र मालवीय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम प्रतिभा सम्मान समारोह एवं युवक युवती पारिवारिक परिचय महाअधिवेशन आयोजन में बलाई समाज सामाजिक जनगणना एवं जागृति स्मारिका का विमोचन कार्यक्रम दिनांक 13 अक्टूबर रविवार 2024 श्री कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम राजीव गांधी महाविद्यालय परिसर मंदसौर में विशाल पैमाने पर आयोजित किया जाएगा। वर्ष 2023 एवं वर्ष 2024 में कक्षा आठवीं, कक्षा दसवीं एवं कक्षा बारहवीं की वार्षिक परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का अतिथियों द्वारा स्वागत सम्मान किया जाएगा।

बैठक में उपस्थित अखिल भारतीय बलाई समाज महासंघ युवा संगठन प्रदेश अध्यक्ष अशोक खिंची ने कहा कि सामाजिक प्रतिभाओं को निखारना और आगे बढाने के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन होना बहुत जरूरी हैं। सामाजिक जनगणना एवं पारिवारिक परिचय सम्मेलन के माध्यम से समाज जनों को एक दूसरे से मिलने का अवसर प्रदान होता है। शिक्षा के क्षेत्र में समाज जनों को आगे बढाने के लिए जिला मुख्यालय पर समाज का छात्रावास का निर्माण होना बहुत जरूरी हैं। जिला सचिव प्रकाश नागवार ने कहा कि समाज के प्रत्येक नागरिक एक जुट होकर सामूहिक रूप से प्रयास करेंगे तो निश्चित तौर पर हम मंदसौर जिला मुख्यालय पर छात्रावास एवं मांगलिक भवन, धर्मशाला का निर्माण कर सकते हैं। मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति विकास परिषद अध्यक्ष राजू भाई मालवीय ने कहा कि दिनांक 13 अक्टूबर रविवार को मंदसौर जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह एवं महाअधिवेशन में सभी सामाजिक जनों को बढ चढकर भाग लेना चाहिए। बैठक में नगर अध्यक्ष गोविंदराम मालवीय, मंदसौर तहसील अध्यक्ष अर्जुन मालवीय साबाखेडा, युवा संगठन तहसील अध्यक्ष भारत मालवीय, जिला सचिव प्रकाश नागवार ,मल्हारगढ अशोक मालवीय लुनाहेडा, महासचिव गोपाल राठौर दौरवाडा, प्रदेश प्रवक्ता सुरेश चौहान जग्गाखेडी, प्रदेश मीडिया प्रभारी राहुल मेहर, कंवरलाल चौहान सेमली, जगदीश मालवीय, रामलाल मालवीय बैलारा, पन्नालाल मालवीय साबाखेडा, रामनारायण मालवीय, मनोहर मालवीय, शांतिलाल मालवीय, महेंद्रप्रताप सिंह गहलोत, फकीरचंद मालवीय गांधीग्राम, सुरज मालवीय आदि अनेक समाज जनों ने उपस्थित होकर आयोजन की सफलता हेतु अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे गए हैं।

अजाक्स ने दिया मुख्यमंत्री के नाम विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन

मंदसौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मप्र अजाक्स जिला मंदसौर द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया गया।

मप्र अजाक्स के प्रांतीय निर्देश पर अजाक्स की कई वर्षो से लंबित मांगो में प्रमुख रुप से पदोन्नति में आरक्षण हेतु श्री मनोज गोरकेला, स्पेशल कौंसिल मध्यप्रदेश द्वारा तैयार पदोन्नति नियम को शीघ्र लागु करने, बैकलॉग के 104500 पदों की पूर्ति शीघ्र की करने, न्यायिक सेवाओं में सिविल जजो की भर्ती में आरक्षण लागु करने, उच्च पद प्रभार में आरक्षण रोस्टर का पालन किये जाने, आउटसोर्सिंग प्रथा पूर्ण रूप से समाप्त हो और यदि आवश्यक हो तो उसमें आरक्षण रोस्टर लागू करने, अनुसूचित जाति जनजाति के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रत्येक माह की 10 तारीख तक अनिवार्य छात्रवृत्ति प्रदान किये जाने, प्रत्येक ब्लॉक तहसील एवं जिले में अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्रावास में विद्यार्थियों की संख्या बढाई जाने, अन्य राज्यों की भांति मप्र में भी पुरानी पेंशन लागू की जाने, आरक्षण (प्रतिनिधित्व)को संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल किये जाने, अनुसूचित जाति जनजाति के छात्रावासी छात्रों और महाविद्यालयीन छात्रों की विभिन्न समस्या का समाधान करने, 1993 में नियुक्त सहायक शिक्षक / शिक्षक के 30 वर्ष पूर्ण होने पर क्रमांक वेतनमान के आदेश प्रसारित करने, क्रमोन्नत वेतनमान से शेष रहे पात्र नवीन शिक्षक संवर्ग के प्राथमिक शिक्षक / माध्यमिक शिक्षक/ उच्च माध्यमिक शिक्षक के 12 वर्षीय एवं 24 वर्षीय क्रमोन्नत वेतनमान के आदेश जारी करने,

अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण की समीक्षा बैठक नियमित आयोजित करने आदि माँग को लेकर ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन का वाचन अजाक्स जिला अध्यक्ष प्रहलाद कुमार सूर्यवंशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित संभागीय उपाध्यक्ष जेपी अहिरवार, अजाक्स जिलाध्यक्ष प्रहलाद कुमार सूर्यवंशी, जिला संरक्षक हीरालाल मालवीय, जिला संरक्षक प्रोफेसर के.आर.सूर्यवंशी, जिला उपाध्यक्ष रामनिवास सूर्यवंशी, जिला सचिव रघुवीर मालवीय, जिला सचिव मनोज कुमार धानिया, जिला सचिव मुकेश कोठे, जिला सचिव जगदीश खींची, जिला परामर्शदाता के.सी. सोलंकी, जीवराज डांगी, गोविंदराम सुहिल, बी.एल. रोतिया, जिला महासचिव रामप्रसाद ईरवार , जिला संयुक्त सचिव सुनील कुमार राठौर, जिला संयुक्त सचिव राधेश्याम देवडा, जिला संयुक्त सचिव आनंद सूर्यवंशी, जिला संयुक्त सचिव रामलाल जाटव, मंदसौर ब्लॉक अध्यक्ष शैलेंद्र गोयल, सीतामऊब्लॉक अध्यक्ष जगदीश सोलंकी, गरोठ ब्लॉक अध्यक्ष भुवानीराम सिन्हा, मल्हारगढ तहसील अध्यक्ष विजय देवडा, दलौदा तहसील अध्यक्ष सुखलाल सुनार्थी, दलौदा तहसील कोषाध्यक्ष प्रभुलाल भारती, मल्हारगढ तहसील सचिव जयप्रकाश यादव, जिला पदाधिकारी गोवर्धनलाल परमार, जगदीश सूर्यवंशी ब्लॉक सचिव मंदसौर, जवाहरलाल सुनार्थी, कमलेश चरेड, ब्लॉक संरक्षक मंदसौर अनिल दाहिमा, पारस नलवाया, ब्लॉक सचिव मनोज कुमार सूर्यवंशी, श्याम परिहार, भेरुलाल पवार, अर्जुनलाल, राकेश कुमार, कमल किशोर, घनश्याम मेहर अधीक्षक , एन.एल. रायकवार, कुलदीप सोलंकी, प्रवीण जजावरा, गोवर्धनलाल अलावा, आदि अन्य सैकडो की संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। ज्ञापन कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी सदस्यों का आभार जिला सचिव मनोज कुमार धानिया द्वारा व्यक्त किया गया।

छात्र-छात्राओं का राज्य स्तरीय बेसबाल प्रतियोगिता में चयन

दलौदा, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री साई पब्लिक स्कूल, दलौदा में अध्ययनरत छात्रा राजेश्वरी व्यास पिता महेश व्यास कक्षा 11 वी ग्राम, अंबिका पाटीदार पिता ओमप्रकाश पाटीदार कक्षा 12वीं ग्राम, राधिका पाटीदार पिता गोपाल पाटीदार कक्षा 11 वी ग्राम, छात्र चिराग मेहता पिता श्यामलाल मेहता कक्षा 11 वी ग्राम का सीनियर वर्ग राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता में चयन हुआ है। विद्यालय की बेसबॉल प्रशिक्षक कुंवर आरती चंद्रावत ने बताया कि चयनित खिलाडी दिनांक 24 सितंबर से 27 सितंबर 2024 तक छतरपुर में आयोजित होने वाली स्कूल शालेय राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता में उज्जैन संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे।

खिलाडियों के चयन होने पर संस्था संचालक मोहसिन अख्तर , सहायक संस्था संचालक नबील अख्तर एवं विद्यालय प्राचार्य श्री अतुल कुमार श्रीवास्तव , बेसबॉल प्रशिक्षक कुंवर आरती चंद्रावत एवं समस्त विद्यालय परिवार ने चयनित खिलाडी एवं उनके परिवारजन को शुभकामनाएं प्रेषित की एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मंदिरों की नगरी मनासा में आगामी नवरात्रा में होगा रामलीला मंचन

मनासा, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदिरों की नगरी मनासा में लगभग पैंतीस साल बाद पुन: स्थानीय कलाकारों द्वारा शारदीय नवरात्रा महापर्व पर भव्य रामलीला मंचन प्रारंभ हुआ, यह अब अनवरत जारी है, ईस साल यह दुसरे वर्ष में प्रवेश कर रही है। यह रामलीला रामायण की चौपाइयों पर आधारित है, ओर दृश्य एवं संवाद बहुत ही शानदार है, हर संवाद पर दर्शक वाह वाह कर उठते हैं, ओर तालियां बजाते हैं। यह रामलीला नगर के हृदय स्थल भगवान नगर नायक श्री बद्रीनारायण मंदिर के सामने विशाल मंच पर आयोजित होती है। रामलीला में काम करने वाले सभी कलाकार नगर के विख्यात प्रख्यात व्यवसायी व्यापारी पुजारी धार्मिक सामाजिक बंधु है, जो लगभग डेढ महीने प्रतिदिन रिहर्सल करते हैं, ओर रामलीला की तैयारियां करते हैं। रामलीला के संरक्षक मंडल एवं मंडल अध्यक्ष एवं उनके साथी लगभग तीन महीने पुर्व से ही प्रारंभिक तैयारियां प्रारंभ कर देते हैं। साथ ही मनासा नगर के साथ ही ग्राम अल्हेड के भी बंधुओं का रामलीला में तत्परता से सहयोग मिल रहा है ये सभी पुरी निष्ठा से मनासा के धर्मप्रेमी बंधुओं के साथ रामलीला के भव्य मंचन हेतु दिन-रात अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

रामलीला मनासा नगर के बंधुओं के हृदय में विराजमान हैं, पुर्व की रामलीला में कार्य कर चुके कलाकारों को आज भी लोग उनके नाम से कम ओर अभिनीत पात्र के नाम से जानते हैं। रामलीला देखने हेतु दर्शकों ने भी लीला स्थल के सारे रिकॉर्ड तोड दिए हैं, लीला स्थल पर पांव रखने की भी जगह नहीं बचती है। प्रतिदिन नये नये दृश्य व संवाद देखकर उपस्थित जनसमुदाय तालियां बजाकर ओर जय सियाराम के व हर हर महादेव के जयघोष से गगन गुंजायमान कर देते हैं। रामलीला मंडल की सबसे बडी खासियत यह कि इससे जुडे सभी बंधु आपस में मित्रवत रहते हैं, न कोई बडा न कोई छोटा, सब राम जी के काज में लगे हुए हैं। आधुनिक समय के साथ ही रामलीला का मंचन युट्युब पर भी लाईव होता है, जिससे अन्यत्र भी सभी ईसका आनंद लेते हैं। आइये आप भी तैय्यार रहे भव्य रामलीला देखने हेतु, जगह पुर्व में ही सुनिश्चित कर लेवें। रामलीला का भव्य मंचन आगामी शारदीय नवरात्रा महापर्व पर 3 अंक्टोंबर से प्रारंभ हो जाएगा।

निम्बोद में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। म प्र श्रमजीवी पत्रकार संघ एवं नागदेव मंदिर समिति के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क चिकित्सा शिविर संपन्न हुआ जिसमें निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं निशुल्क दवाइयां वितरित की गई। साथ ही आगे भी श्री राम मोहन हॉस्पिटल में इलाज के लिए विशेष छूट के कूपन वितरित किए। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि म प्र श्रमजीवी पत्रकार संघ के संभागीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ प्रीतिपालसिंह राणा, जिला कार्यकारी अध्यक्ष डॉ अजीत जैन विशेष अतिथि पूर्व विधायक ठा राजेंद्र सिंह सिसोदिया ठा जितेन्द्र सिंह सिसोदिया निंबोद श्री राम मोहन हॉस्पिटल के संचालक वरिष्ठ चिकित्सक डॉ सौरभ पांडेय ने दीप प्रज्वलित कर किया। साथ ही कुं धर्मेंद्र सिंह सिसौदिया संगठन के महासचिव संजय भाटी, जिला सचिव विरेंद्रसिंह मजेसरी श्री राजू सोनी ब्लाक अध्यक्ष अजय शर्मा जनपद सदस्य प्रतिनिधि बाबूलाल टांक, रामू कारपेंटर, श्यामलाल राठौर, अनिल सेन, जूझार, लक्ष्मण, लोकेन्द्रसिंह, मंगल सिंह, लक्ष्मण सिंह सहित पत्रकार साथी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। शिविर में मुख्य रूप से डॉ सौरभ पांडेय, डॉ श्रद्धा शिंदे, डॉ विरेंद्र वर्मा, डॉ स्वाति लोचब, डॉ प्रतीक जैन, डॉ प्रिया सोनी, डॉ ऋषभ शुक्ला ने सेवाएं दी। आभार विरेंद्रसिंह मजेसरी ने माना। उक्त जानकारी म.प्र. श्रमजीवी पत्रकार संघ मंदसौर के जिला महासचिव संजय भाटी ने दी।

दिनांक 23 सितम्बर 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
क्या आप जानते है..?

* ज्योतिष शास्त्र मे बृहस्पति ज्ञान एवं सुखों का मूल कारक हैं.. यदि कुंडली में बृहस्पति शुभ हैं तो जातक को उसकी दशा अंतर्दशा में निश्चय हि सफलता के अवसर प्राप्त होंगे, सुखों में वृद्धि होंगी तथा सोचें हुए कार्य सम्पन्न होंगे।
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

नवरात्रि के त्यौहार के मद्देनजर प्रशासन के सामने सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की चुनौती और भी बड़ी हो गई

मंदसौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में हाल ही में ईद मिलादुन्नबी के मौके पर हुई पत्थरबाजी की घटना ने जिले की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सतर्कता पर गंभीर प्रश्न खडे कर दिए हैं। यह घटना इस बात का संकेत है कि जिले में शांति और सौहार्द्र को खतरे में डालने वाले तत्व सक्रिय हो रहे हैं। इस संदर्भ में, आने वाले नवरात्रि के त्योहार के मद्देनजर प्रशासन के सामने सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ करने की चुनौती और भी बडी हो गई है।

नवरात्रि का पर्व, जो कि हिंदू समुदाय के लिए एक प्रमुख धार्मिक उत्सव है, जिले में बडी संख्या में लोगों को एकत्र करता है। विभिन्न स्थानों पर दुर्गा माता की घट स्थापना के साथ नौ दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में भारी भीड उमडती है। गरबा, रास और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर हजारों की संख्या में लोग जुटते हैं। ऐसी स्थिति में, कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन के लिए एक जटिल और चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि हालिया पत्थरबाजी जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और नवरात्रि के आयोजन के दौरान शांति और सद्भाव बना रहे। मंदसौर जिले में नए कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग और पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद की नियुक्ति ने प्रशासनिक व्यवस्था को नया नेतृत्व दिया है। हालांकि, दोनों अधिकारियों के लिए यह चुनौतीपूर्ण समय है, क्योंकि वे अभी जिले की सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों से पूरी तरह परिचित नहीं हैं। नवरात्रि जैसे बडे त्योहार के मद्देनजर उन्हें जिले की जटिलताओं को समझने और सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए तुरंत प्रभावी कदम उठाने होंगे। प्रशासन को जिले के संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहाँ विशेष सतर्कता बरतनी होगी।

नेमीचंद राठौर

कानून व्यवस्था की चुनौतियों के बीच पुलिस की इंटेलिजेंस प्रणाली को और भी सक्रिय करने की आवश्यकता है। हालिया घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि असामाजिक तत्व सक्रिय हैं और उनके इरादे शांति भंग करने के हैं। इसलिए, पुलिस को ऐसे तत्वों पर कडी नजर रखनी होगी और उनके किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करनी होगी। इसके साथ ही, सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और भड़काऊ पोस्ट्स पर भी प्रशासन को नजर रखनी होगी। सोशल मीडिया आजकल अफवाह फैलाने का सबसे सशक्त माध्यम बन चुका है, और इस तरह की अफवाहें समाज में तनाव और हिंसा का कारण बन सकती हैं। इसलिए, प्रशासन को सोशल मीडिया मॉनिटरिंग को प्राथमिकता देनी चाहिए और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। नवरात्रि के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने के लिए जिला प्रशासन को सामुदायिक संवाद बढाने की भी आवश्यकता है। विभिन्न समुदायों के बीच समन्वय बढाकर आपसी समझ और सहयोग को बढावा दिया जा सकता है। धार्मिक और सामाजिक नेताओं के साथ संवाद स्थापित कर यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि सभी वर्गों में शांति और सद्भाव बना रहे। इसके अलावा, प्रशासन को स्थानीय इंटेलिजेंस और पुलिस बल के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना होगा ताकि किसी भी प्रकार की हिंसा या अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके। त्योहारों के दौरान भीड नियंत्रण और यातायात व्यवस्था भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि भीडभाड वाले क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों और यातायात को सुव्यवस्थित रखा जाए। पुलिस और प्रशासन को मिलकर नवरात्रि के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष पुलिस बल तैनात करने और 24 घंटे पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही, असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि वे भविष्य में जिले की शांति भंग करने का साहस न कर सकें। अंत में, मंदसौर में हालिया पत्थरबाजी की घटना ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि कानून व्यवस्था को लेकर सतर्कता की कमी खतरनाक साबित हो सकती है। नवरात्रि जैसे बडे त्योहार के दौरान इस चेतावनी को नजरअंदाज करना भारी पड सकता है। प्रशासन और पुलिस को मिलकर जिले में शांति बनाए रखने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने होंगे, ताकि नवरात्रि का यह पर्व जिले के लोगों के लिए सुखद और सुरक्षित माहौल में संपन्न हो सके।

मंदसौर के साथ फिर हो रहा अन्याय, संभाग की मांग को लेकर...

आंदोलन की रूपरेखा बनाने कल नपा में होगी बैठक

मंदसौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के पश्चिमी छोर पर स्थित मंदसौर जिला उज्जैन संभाग का सीमांत जिला है। राजस्व की दृष्टि से अतिमहत्वपूर्ण यह मंदसौर जिला एक बार फिर उपेक्षा की गर्त में ढकेला जा रहा है। मंदसौर का दुर्भाग्य रहा है कि इस क्षेत्र को मिलने वाली हर वांछित सुविधा या तो रोक जाती है या छीन ली जाती है। कहीं और उन सेवाओं को और सुविधाओं को शिफ्ट कर दिया जाता है। बगैर संघर्ष के हमें कुछ नहीं मिलता।

आज फिर संघर्ष का समय है– तमाम तरह की अनुकूलता है और क्षमताएं होने के बावजूद भी मंदसौर को संभाग का दर्जा नहीं दिया जा रहा है। हमारे मौन रहने पर हमारे हक भी छीन लिए जाते हैं। यही हो रहा है..! अब मंदसौर को मिल सकने वाली एक बडी सौगात से वंचित किया जा रहा है। सन 2017 में मंदसौर नीमच जिलों के सभी विधायकों ने मांग की थी । ऐसे में सबसे पहला कर्तव्य तो यहां के जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों का है लेकिन लगता है पूर्व की तरह ऐसी कोई पहल फिलहाल यहां होती नहीं दिखती। तो फिर से समय आ गया है कि मंदसौर के सामाजिक संगठन, समाजसेवी संस्थाएं मीडिया और आमजन भी मैदान में आए और किसी भी तरह मंदसौर को संभाग का दर्जा दिलाने के लिए संघर्ष करें। संभाग बनना यह मंदसौर का नैसार्गिक अधिकार है। जो उसे मिलना ही चाहिए। और यदि मंदसौर को इस अधिकार से वंचित किया जाता है तो यहां के लोगों के हितों पर बहुत बडा कुठाराघात होगा ।और यहां की जनता इस बात को कतई बर्दाश्त नहीं कर पाएगी।

इस आशय की जानकारी मन्दसौर नागरिक मंच आप ओर हम के समन्वयक नरेंद्र अग्रवाल एवं ब्रजेश जोशी ने देते हुए बताया कि तमाम तरह की अनुकूलताएं मंदसौर के लिए हैं स्वाभाविक दावा संभाग के लिए मंदसौर का है। यह बात सब अच्छी तरह जानते हैं भले ही ना माने। भौगोलिक दृष्टि से वर्तमान में उज्जैन संभाग है तो रतलाम और उज्जैन की दूरी कम है। मंदसौर नीमच जिले के नगरों और गांवों से रतलाम की उसी अनुपात में दूरी है।तो मंदसौर की जनता के लिए वक्त आ गया है एक और बडे और कडे संघर्ष का..!नगर के कई बुद्धिजीवी नागरिकों और परिस्थितियों को समझने वाले लोगों का कहना है कि यदि संभाग का दर्जा नहीं मिला तो मंदसौर एक बार फिर कई सालों पीछे धकेल दिया जाएगा। इसी विषय को लेकर आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने नगर के सेवाभावी महानुभावों की एक आवश्यक बैठक 24 सितंबर मंगलवार को शाम 4.30 बजे नगर पालिका सभागार गांधी चौराहा पर रखी गई है। जिसमें नगर के समस्त सुबुद्ध जनों सेवा संस्थाओं और संगठनों के प्रतिनिधियों तथा नगर वासियो, मातृशक्ति से सम्मिलित होने की अपील की गई है।

आज दिन और रात होंगे बराबर

उज्जैन की वेधशाला में देख सकेंगे शरद संपात का नजारा

उज्जैन, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सूर्य के विषुवत रेखा पर लंबवत होने के कारण 23 सितंबर को दिन रात की अवधि बराबर रहेगी। अर्थात दिन व रात 12-12 घंटे के रहेंगे। खगोल शास्त्र में इस घटना को शरद संपात कहा जाता है। शासकीय जीवाजी वेधशाला में शंकु तथा नाड़ीवलय यंत्र पर इस खगोलीय घटना को देखा जा सकता है। जीवाजी वेधशाला के अधीक्षक प्रो. डॉ. राजेंद्र प्रकाश गुप्त ने बताया पृथ्वी सूर्य के चारों और परिक्रम करती है। इससे हमें सूर्य कर्क रेखा से मकर रेखा की ओर गति करता दिखाई देता है। इस दौरान सूर्य वर्ष में दो बार 21 मार्च व 23 सितंबर को विषुवत रेखा पर लंबवत रहता है, इससे दिन व रात की अवधि बराबर होती है। 23 सितंबर को सूर्य की क्रांति 0 अंश 16 कला तथा 56 विकला दक्षिण पर होगी तथा सूर्य की स्थित सायन तुला राशि में 0 अंश 43 कला तथा 28 विकला पर होगी। इसका अर्थ है सूर्य उत्तरी गोलार्ध से दक्षिण गोलार्ध में प्रवेश करने लगेगा।

शंकु व नाडीवलय यंत्र पर प्रत्यक्ष दिखाई देगी घटना– डॉ. गुप्त ने बताया शरद संपात की घटना को शंकु व नाडीवलय यंत्र के माध्यम से स्पष्ट देखा जा सकता है। 23 सितंबर शंकु यंत्र पर शंकु की छाया पूरे दिन सीधी विषुवत रेखा पर गमन करती हुई दिखाई देगी। इसी प्रकार नाडीवलय यंत्र पर वर्तमान में उत्तरी गोलार्ध पर धूप दिखाई दे रही थी। 23 सितंबर को उत्तर तथा दक्षिण किसी भी गोल भाग पर धूप दिखाई नहीं देगी। अगले दिन 24 सितंबर से 20 मार्च तक दक्षिण गोलभाग पर धूप रहेगी। इस प्रकार सूर्य के गोलार्ध परिवर्तन को हम नाडीवलय यंत्र पर देख सकते हैं।

लालच में आने के कारण बढ़ रहे ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने साफ-सफाई कर ली स्वच्छता की शपथ

सीतामऊ, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की कक्षा में 22 सितम्बर रविवार को ऑनलाइन धोखाधड़ी के जागरूकता कार्यक्रम एवं स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। जिसमें शासकीय सरसकुंवर विद्यालय सीतामऊ में स्कूल परिसर की सफाई की गई। साथ ही स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सामुदायिक नेता क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया दवारा पोषित स्वधार योजना के कार्यक्रम समन्वयक राधेश्याम पंवार ने बताया कि ऑनलाइन धोखाधड़ी होने पर हमें तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 या 14448 पर संपर्क करना चाहिए। शिक्षित लोगों में भी लालच के कारण धोखाधड़ी के मामले बढ़ रहे हैं। लॉटरी लगने, लुभावने वादे एवं अनजान लिंक पर हमें कभी भी विश्वास नहीं करना चाहिए। श्री पंवार ने शासकीय विभागो की पेंशन योजना ,बीमा योजना सहित शासकीय योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक नारायणसिंह निनामा ,परामर्शदाता हरओम गंधर्व, हेमंत गौड ,मंगला बैरागी, चरण सिंह सत्यनारायण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन हरिओम गंधर्व ने किया। आभार नारायणसिंह निनामा ने माना।

भागवत महापुराण 25 से

पिपलियामंडी, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री सनातन धर्मसेवा समिति की ओर से 7 दिनी श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान गंगा महोत्सव का आयोजन 25 सितम्बर से होगा। समिति के अनुसार कथा पुराना गाडी अड्डा स्थित श्री गणेश मंदिर परिसर पर होगी। भागवताचार्य मिथिलेश नागर (नेनोरा) प्रतिदिन शाम 7 से रात्रि 10 बजे तक कथा का वाचन करेंगे। कथा विश्राम 1 अक्टूबर को होगा।

मोहल्ला सभा का आयोजन, कचरे से जैविक खाद बनाना बताया

मनासा, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद मनासा ने स्वच्छता की सेवा पखवाडा कार्यक्रम के तहत वार्ड क्र. 2 में मोहल्ला सभा का आयोजन किया। इसमें उपस्थित महिलाओं को सुखे गिले कचरे का महत्व बताया और गिले कचरे से जैविक खाद तैयार करने की विधि बताई। पार्षद प्रतिनिधि दिनेश राठौर, स्वच्छता पर्यवेक्षक सतीश भैरवा, स्व. सहायता समुह प्रभारी अनिता माली, सहयोगी संस्था के कमलेश कारपेंटर की उपस्थिति में आयोजन हुआ। पार्षद प्रतिनिधि दिनेश राठौर ने कहा गिला कचरा सुखा कचरा अलग अलग दे और कचरा परिषद के कचरा वाहन में ही डाले। गली मोहल्ले में जगह जगह कचरा अड्डा नहीं बनाए। सतीष भेरवा ने कचरा सेग्रीग्रेशन का महत्व बताया। उन्होने कहा आप जो कचरा देते है उसका हम सेग्रीग्रेशन करते है। गिले कचरे से खाद बनाते है। सुखे कचरे जैसे प्लास्टिक, पुष्ठ, लोहा, पन्नी जैसी सभी को अलग अलग करते है और इनमें जो पुन: उपयोग आ सकती है उनका हम रिसायकल करते है। अक्सर यह होता है कई महिलाओं और नगर वासी गिला कचरा सुखा कचरा एक साथ एक ही बीन में डाल देते है। इसे अलग करने में हमारे सफाई मित्रों को बहुत परेशानी होती है। कई बार ऐसी स्थिति बनती है वह मिक्स कचरा हमे डम्प साइड में डालना पडता है फिर वह डम्प साइड का कचरा बिमारियां पैदा करता है। कई बार उम्प कचरा हवा में उडकर सडक और इधर उधर भी आ जाता है। जिससे गंदगी फैलती है और आप शिकायत करते है। इसलिए आप यदि सुखा कचरा गिला कचरा अलग अलग देंगे तो हमारे सफाई मित्रों को भी सुविधा होगी। सहयोग संस्था के कमलेश कारपेंटर ने गिले कचरे से कम्पोस्ट बनाने की विधि बताई। उन्होने कहा सभी के घर में मिट्टी का मटका जरूर मिल जाता है आप घर से निकलने वाला गिला कचरा उसमें डाल दे। जब वह मटका भर जाए तो उस पर मिट्टी की परत चढा दे और उसे थोडा गिला कर दे। 15 से 20 दिन में उस मटके में डाले गए गिले कचरे की खाद बन जाएगी। जिसे आप घर में लगाने वाले पौधो, बगीचे, गार्डन में उपयोग कर सकते है। मटके अलाया ड्र ड्रम, खराब सीमेंट टंकी आदि में को भी आप कम्पोस्ट पीट के रूप में उपयोग कर सकते है। किसी के घर में यदि खुला गार्डन अथवा आंगन है तो आप वहां एक छोटा गड्ढा बनाकर भी कम्पोस्ट बना सकते है। कार्यक्रम के समापन सभी ने स्वच्छता की शपथ ली।

सखी नारी शक्ति सामुदायिक केंद्र में प्रशिक्षण सम्पन्न

मंदसौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। आईटीसी मिशन सुनहरा कल परियोजना के अन्तर्गत मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से तीन दिवसीय जिला स्तरीय योजना सखी प्रशिक्षण का आयोजन नारीशक्ति सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र बोतल गंज में किया गया। इसका नेतृत्व जिला परियोजना प्रबंधक श्री अनिल कुमार मरावी , जिला प्रबंधक फौजिया करीम ने किया ख प्रशिक्षण में मंदसौर जिले के सभी ब्लॉक से 34 दीदीयों को एनसीएचएससी संस्था से श्री सुरेंद्र गेहलोत , हकदर्शक संस्था से श्री मोहसिन खान, दीक्षा चौहान द्वारा योजना सखी दीदियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस में योजना सखी जिले में आजीविका मिशन द्वारा गठित स्वयं सहायता समूह सदस्यो और ग्राम वासियों को शासन की विभिन्न योजनाओं के संबद्ध में जागरूक कर केसे योजनाओं में आवेदन करना है और उसका लाभ लेना है यह समस्त कार्य योजना सखी अपने मोबाइल के माध्यम स्वयं गांव में कैंप लगाकर और घर घर जाकर हितग्राही को जोड़ने का कार्य करेगी और शासन की योजनाओं का लाभ दिलवाने में मदद करेगी।

चैतन्य आश्रम मेनपुरिया में कल आयोजित होगा...

प्रत्यक्षानंदजी महाराज का निर्वाण महोत्सव

मंदसौर, 22 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। भगवान पशुपतिनाथ महादेव के संस्थापक अधिष्ठाता एवं मालवा मेवाड़ धर्म सम्राट ब्रह्मलीन अवधूत सदगुरुदेव श्री चैतन्य देव भगवान के प्रमुख शिष्य अन्नदाता श्री प्रत्यक्षानंद जी महाराज श्री का निर्वाण महोत्सव (43 वीं पुण्य तिथि) का कार्यक्रम प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया मंदसौर में दिनांक 24 सितंबर मंगलवार को आयोजित होगा। कार्यक्रम में पूज्य स्वामी श्री धीरेशानन्द सरस्वती जी महाराज, पूज्य स्वामी श्री मणि महेश चौतन्य जी महाराज, स्वामी भक्तानन्द जी महाराज (प्रतापगढ), पूज्य स्वामी शिव चैतन्य जी महाराज, पूज्य स्वामी मोहनानन्द जी महाराज, पूज्य स्वामी कृष्णप्रेमानंद जी महाराज (भीलवाडा) का सानिध्य व आर्शीवचन प्राप्त होंगे।

उक्त जानकारी देते हुए ट्रस्ट अध्यक्ष प्रहलाद काबरा ने बताया कि 24 सितम्बर को प्रात: 7 बजे प्रत्यक्षेश्वर महादेव जी का रुद्राभिषेक, 9.30 बजे भगवान पशुपतिनाथ मंदिर में विराजित अन्नदाता श्री के श्री विग्रह का सभी संतो एवं मंदिर प्रबंध समिति द्वारा अभिषेक पूजन आरती, प्रात: 10 बजे श्री चैतन्य आश्रम में विराजित अन्नदाताश्री के समाधि स्थल का अभिषेक पूजन आरती, 10.30 बजे से संत प्रवचन एवं पूज्य श्री के प्रति भावभीनी श्रद्धांजलि व 11 बजे आगंतुक संतो का पूजन सम्मान पश्चात् भंडारा होगा। श्री चैतन्य आश्रम लोक न्यास ट्रस्ट मंदसौर के सभी पदाधिकारियों एवं ट्रस्टियों ने सभी श्रद्धालु व भक्तगणों से उपस्थिति होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

मप्र में रेलवे ट्रैक पर डेटोनेटर ... पेज 1 से जारी

उपलब्ध कराए जाते हैं। यदि कर्मचारियों को कहीं रेल पटरी टूटने अथवा किसी और वजह से ट्रेन के दुर्घटना ग्रस्त होने का खतरा महसूस होता है, तब वे पास रखे दस पटाखों में से दो को रेल पटरियों पर रख कर फोडते हैं। जिससे लोका पायलट को संकेत मिल जाता है और वह ट्रेन रोक देता है।

यह था मामला– रेलवे सूत्रों के अनुसार गत 18 सितंबर को जम्मू कश्मीर से कर्नाटक जा रही आर्मी स्पेशल ट्रेन जैसे ही सागफाटा और डोंगरगांव के बीच पहुंची अचानक डेटोनेटर फटने शुरू हो गए। लोको पायलट ने ट्रेन रोकी लेकिन कोई कारण पता नहीं चला। बाद में उसने सागफाटा स्टेशन मास्टर को मेमो देने के साथ भुसावल में भी सूचना दी थी।

** वार्षिक साधारण सभा सूचना **

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा गरोठ अंतर्गत बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं (सोसायटियों) की वर्ष 2023-24 की वार्षिक साधारण सभा अपने-अपने सदस्यों हेतु निम्नानुसार आयोजित की गई है। जिसमें सदस्य अपनी संस्था की वार्षिक साधारण सभा में उपस्थित होने का कष्ट करें।

क्रं.	सं स्था का नाम	स्थान	दिनांक	समय
1	बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. गरोठ	संस्था कार्यालय गरोठ	28.09.2024	दोपहर 2 बजे
2	बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. दसोरिया	संस्था कार्यालय पावटी	24.09.2024	दोपहर 1 बजे
3	बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. बोलिया	संस्था कार्यालय बोलिया	27.09.2024	प्रातः 11 बजे
4	बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. विश्निया	संस्था कार्यालय विश्निया मुख्यालय फरन्याखेड़ी	27.09.2024	प्रातः 11 बजे
5	बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. चिकनिया	संस्था कार्यालय चिकनिया	24.09.2024	प्रातः 11 बजे
6	बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. लसुड़िया	संस्था कार्यालय लसुड़िया	27.09.2024	प्रातः 11 बजे
7	बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. ढाबलामोहन	संस्था कार्यालय ढाबलामोहन	27.09.2024	प्रातः 11.30 बजे
8	बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. गुराड़ियानरसिंह	संस्था कार्यालयगुराड़ियानरसिंह मुख्यालय साठखेड़ा	28.09.2024	प्रातः 11.30 बजे
9	बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. बर्डियाअमरा	संस्था कार्यालय बर्डियाअमरा	28.09.2024	प्रातः 11 बजे

नोट- 1. निर्धारित समय पर गणपूर्ति नहीं होने की स्थिति में आधे घंटे सभा स्थगित की जाकर उसी स्थान पर पुनः प्रारम्भ की जावेगी। जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी। 2. सभी सदस्यों को डाक के माध्यम से भी सूचना भेजी गई है। अप्राप्ति की स्थिति में इस विज्ञापन को ही सूचना माना जाए।

**** सही विषय सूची ****

* संस्था की प्रशासक कमेटी द्वारा लिए निर्णयोंकी पुष्टी।
* आगामी वर्ष 2024-25 की कार्य योजना की स्वीकृति।
* संस्था का आगामी वर्ष 2024-25 का अनुमानित बजट स्वीकृति।
* वित्तीय वर्ष 2023-24 का अनुमानित बजट से अधिक कम हुए व्यय एवं आय की पुष्टि करना।
* अंकेक्षण वर्ष 2022-23 का पालन प्रतिवेदन सभा में स्वीकृत करना।
* प्रशासक कमेटी के सदस्यों की ओर बकाया एवं रिश्ते नातेदारों पर बकाया अग्रिम की जानकारी प्रस्तुत करना।
* संस्था को ब्याज माफी योजना से हानि हुई है उसकी स्वीकृति प्रदान करना।
* संस्था का वर्ष 2024-25 का अवैधानिक अंकेक्षण हेतु अंकेक्षक की नियुक्ति करना।
* आयुक्त एवं पंजीयक महोदय के आदेश क्र./साख/योजना 2024/1982/257 एवं उपायुक्त महोदय मंदसौर के आदेश क्रं. साख 1973 के पालन का अनुमोदन करना।
* अन्य विषय जो प्रशासक महोदय की अनुमति से।

**** प्रबंधक एवं प्रशासक ****

* बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. गरोठ
* बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. दसोरिया
* बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. बोलिया
* बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. विश्निया
* बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. चिकनिया
* बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. लसुड़िया
* बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. ढाबला मोहन
* बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. गुराड़िया नरसिंह
* बहु प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. बर्डिया अमरा

कार्यालय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला मंदसौर (म.प्र.)

वर्ष 2024-25 में जिला एवं विकासखंड स्तर पर प्रिंटिंग, फ्लेक्स, मुद्रण, किराए की सामग्री कार्य कराने के लिए ई-निविदा आमंत्रण सूचना

*** निविदा प्रक्रिया विवरण ***

1	निविदा का प्रकार	वर्ष 2024-25 में जिला एवं विकासखंड स्तर पर प्रिंटिंग, फ्लेक्स, मुद्रण, किराए की सामग्री कार्य कराने के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।
2	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन क्रय हेतु उपलब्धता	शासकीय निविदा प्रपत्र मूल्य राशि 1000/- (एक हजार रुपए) जो ई-टेण्डर http://mptenders.gov.in पर देय होगा। कोई समस्या आने पर ई-टेण्डर के हेल्प लाईन नम्बर पर संपर्क करें।
3	ऑनलाईन निविदा जारी करने की दिनांक एवं समय	23 सितम्बर 2024, दोपहर 12.00 बजे
4	ऑनलाईन निविदा क्रय करने की दिनांक एवं समय	23 सितम्बर 2024, दोपहर 03.00 बजे
5	प्रि-बिड मीटिंग की दिनांक एवं समय	30 सितम्बर 2024, दोपहर 03.00 बजे
6	ऑनलाईन निविदा क्रय करने की अंतिम दिनांक एवं समय	14 अक्टूबर 2024, दोपहर 02.30 बजे
7	ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	14 अक्टूबर 2024, दोपहर 05.30 बजे
8	तकनीकी निविदा ऑनलाईन खोले जाने की दिनांक एवं समय	15 अक्टूबर 2024, दोपहर 2.30 बजे
9	वित्तीय निविदा ऑनलाईन खोले जाने की दिनांक एवं समय	निविदा समिति के निर्णय अनुसार

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला मंदसौर

G-16517/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

आफिस में कार्य करने हेतु युवक की आवश्यकता है।

**** मंदसौर निवासी ही सम्पर्क करें ****

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्या एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in